उत्तर भारत का सम्पूर्ण समाचारपत्र

दैनिक ट्रिब्यून

, अंक : 318 चंडीगढ़/नयी दिल्ली/जालंधर/बठिंडा बुधवार, 1 जुलाई, 2009/ 18 आषाढ़, संवत् 2066 ई-मेल : dt@tribu

डिग्री और रोज़गार की जरूरतों का अंतर मिटाना समय की मांग

चंडीगढ़, 30 जून (सांप्र)। शिक्षा एवं प्रोफेशनल शिक्षा में डिग्री व कोर्स के बावजूद देश का अधिकांश युवा वर्ग रोजगार क्षेत्र की अनिवार्य आवश्यकताओं पर खरा नहीं उतरता, इसी कारण रोज़गार के अवसर होने के बावजूद देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैली हुई है। यह परिणाम आज यहां एलीमेन्टस एकेडमिया संस्थान द्वारा आयोजित सेमिनार में विभिन्न वक्ताओं के संबोधन से निकला। एलीमेन्टस एकेडमिया देश के प्रसिद्ध इंडियन इन्सीट्यिूट आफ मैनेजमेंट (आई.आई.एम.) से शिक्षित एक दर्जन विशेषज्ञों द्वारा स्थापित किया गया ऐसा संस्थान है जो युवा वर्ग को वास्तविक अर्थ में रोजगार के योग्य बनाने के मिशन लिए हुए है।

युवाओं को रोजगार योग्य कैसे बनाया जाए, विषय पर आधारित आज के सेमिनार का उद्घाटन पी.एच.डी. चेम्बर आफ कामर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश बगरोडिया ने दीप रोशन करके किया, इस अवसर पर उनके साथ एलेमैन्टस एकेडमिया के सी.ई.ओ. निशांत सक्सैना और चंडीगढ़ शाखा के सेंटर डायरेक्टर रविन्द्र कक्कड़ भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधन करते हुए निशांत सक्सैना ने बताया कि एलीमैन्टस एकेडमिया का उद्देश्य युवा लड़के व लड़कियों द्वारा डिग्री-कोर्सों के दौरान ग्रहण किए ज्ञान और सर्विस इन्डस्ट्री सेक्टर के लिए अनिवार्य प्रेक्टिकल ज्ञान के बीच पैदा हुई दरार को मिटाना है।